International Journal of Humanities and Social Science Research
ISSN: 2455-2070; Impact Factor: RJIF 5.22
Received: 03-04-2020; Accepted: 05-05-2020; Published: 20-05-2020
www.socialsciencejournal.in
Volume 6; Issue 3; 2020; Page No. 46-51

भागलपुर नगर का विकास

Dr. Mukesh Kumar
Guest Faculty, S.G.G.S.College, Patna Sahib, Patliputra University, Patna, Bihar, India

सारांश
भारत के बिहार राज्य में अवस्थित भागलपुर एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक नगर है। इस नगर को सिल्क सिटी के नाम से भी जाना जाता है। इस नगर क्षेत्र का वर्णन भारत के प्राचीन साहित्यों में प्राप्त होता है। यह नगर महाभारत काल में कर्ण के अंग प्रदेश का क्षेत्र था। मुगलकालीन कई मजार इस नगर में अब भी मौजूद हैं। अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह तिलका मांझी के द्वारा सन् 1771 से 1784 तक के काल में किया गया था। यह नगर भागलपुर कमिश्नरी एवं भागलपुर जिला का मुख्यालय है। सन् 1921 ई. के बाद से भागलपुर नगर की आबादी लगातार बढ़ रही है। साथ ही साथ नगरीकरण लगातार बढ़ता जा रहा है। जनसंख्या की दृष्टि से बिहार राज्य में तीसरा बड़ा नगर है, वही विकास की दृष्टि से यह नगर पटना के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत के 100 शहरों को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है, उन 100 शहरों में से एक शहर भागलपुर भी है।

मूल शब्द: नगरीकरण, भागलपुर, नगर, जनसंख्या

प्रस्तावना
नगरीकरण एक सतत् चलने वाली प्रक्रिया है, जो उस नगर के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को दर्शाती है। नगरीय विकास या नगरीकरण से नगर के अधिवास क्षेत्र, व्यापार क्षेत्र, मनोरंजन के साधन, शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य सेवायें, यातायात के साधन आदि में गुणात्मक एवं संख्यात्मक वृद्धि होते हैं। रोजगार के साधन में बढ़ोत्तरी होती है। नगर का नये क्षेत्र में फैलाव होता है और नगर के आस–पास के ग्रामीण क्षेत्र उस नगर का हिस्सा बन जाते हैं। नगरीकरण के विषय में अलग–अलग जनगणना वर्ष में अलग–अलग रूप में परिभाषित किया गया है। जनगणना वर्ष 1951 के अनुसार वैसे सभी नगरपालिका क्षेत्र, कैन्टनोमेन्ट क्षेत्र एवं अन्य क्षेत्र जिसमें नगर के गुण हैं वे सभी क्षेत्र नगर की तरह माने जाये।[1]

भागलपुर बिहार राज्य का एक प्राचीन शहर है। यह शहर गंगा के दक्षिणी तट पर बसा है, जो 25°13′04′′N अक्षांश एवं 87°14′20′′E देशान्तर पर अवस्थित है। यह बिहार के मैदानी क्षेत्र का आखिरी सिरा और झारखण्ड एवं बिहार के कैमूर की पहाड़ी का मिलन स्थल है। यहॉ की मिट्टी बहुत उपजाऊ है। इस नगर के निकट ही विक्रमशिला डॉल्फिन सैन्चुरी एवं गरूड़ पक्षी सुरक्षा तथा विकास केन्द्र है। भागलपुर नगर, भागलपुर कमिश्नरी, जिला एवं प्रखण्ड का मुख्यालय है। भारत में भागलपुर सिल्क उद्योग में कर्नाटक के बाद दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक एवं निर्यातक है। इस नगर का नाम भागलपुर कैसे पड़ा इसका कोई प्रमाणिक रिपोर्ट नहीं है लेकिन भागलपुर जिला गजट, 1962 के अनुसार भुचनान द्वारा बताया गया है कि भागलपुर नाम मुगल अधिकारी द्वारा दिया गया।[2] इस नगर की आबादी सन् 2011 ई. के जनगणना के अनुसार 4,00,146 थी, जो बिहार राज्य के नगरों की जनसंख्या के आधार पर तीसरा बड़ा शहर है। आजादी के पश्चात् सन् 1951 ई. के जनगणना के अनुसार यह प्रथम श्रेणी नगर (Class I Town) के अन्तर्गत आता था जो आज तक कायम है।

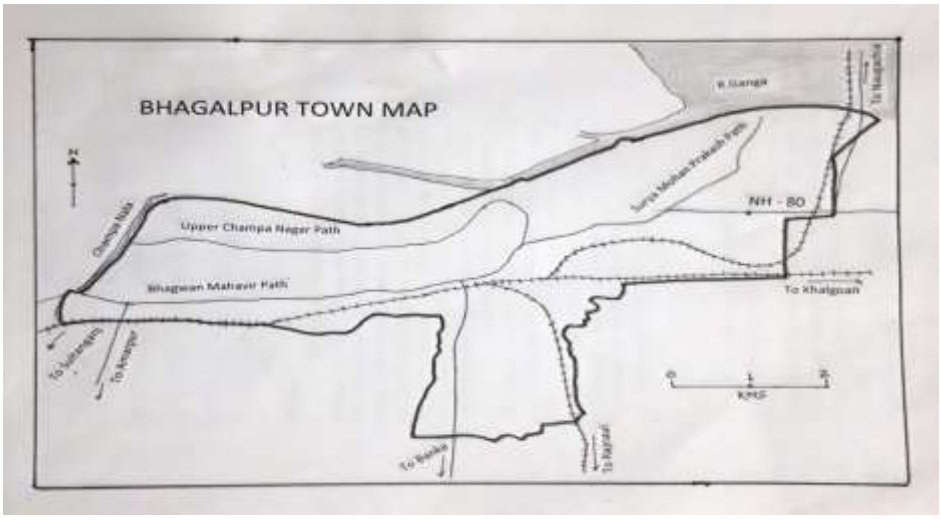

भागलपुर का ऐतिहासिक महत्त्व पुराणों एवं महाभारत ग्रंथ में इसका उल्लेख से जाना जा सकता है। प्राचीन साहित्य महाकाव्य एवं पुराण के अनुसार मनु के पौत्र अनु का राज्य पूर्व के क्षेत्र में था। इसी राज्य को राजा बलि ने अपने पॉच पुत्रों में बॉटा। ये राज्य अंग, बंग, कलिंग, पुण्ड्रया एवं सुमहा नाम से जाने गये। अंग प्रदेश की चर्चा प्राचीन साहित्य में बहुत अधिक पायी जाती है। रामायण के अनुसार राजा दशरथ के परम मित्र राजा लोमपाद का नाम आता है, जो अंग प्रदेश के राजा थे। महाभारत में अंग प्रदेश के राजा कर्ण के लिए जाना जाता है।

वैदिक साहित्य में अंग की चर्चा प्राप्त होती है। बुद्धकालीन साहित्य में भी अंग के विषय में चर्चा आयी है। मगध के राजा अजातशत्रु ने अपनी राजधानी चम्पा को बनाया था।[3] मौर्य नरेश बिन्दुसार का विवाह अंग की एक गरीब लड़की चम्पा से हुई थी जो कि मौर्य सम्राट अशोक की माता थी। अंग 16 महाजनपदों में से एक था जिसकी राजधानी चंपावती थी। अंग महाजनपद को पुराने समय में मलिनी, चम्पापुरी, चम्पा मलिनी, कला मलिनी आदि के नाम से जाना जाता था।

गुप्तकाल में भी अंग प्रदेश की भौतिक एवं कलात्मक वृद्धि होती रही। गुप्तों के बाद गौड़ नरेश शशांक ने अंग पर अधिकार किया, यह 602 ई. का काल था। अंग गौड़ों के बाद हर्षवर्धन के अधिकार में रहा। ह्वेन–सांग ने अपने यात्रा वृतांत में चम्पा नगर की चर्चा की है।

अंग पर सन् 755 ई. में पाल शासकों का अधिकार रहा। विक्रमशीला विश्वविद्यालय की स्थापना पाल नरेश गोपाल ने की थी। यह अत्यन्त प्रसिद्ध विश्वविद्यालय था। पाल शासक के बाद सेन शासकों ने अंग प्रदेश पर राज किया। सेन वंश के लक्ष्मण सेन सन् 1206 ई. तक अंग पर शासन किया। उसके बाद वख्तियार खिलजी ने बिहार और बंगाल पर अपनी दृष्टि डाली और नालन्दा एवं विक्रमशीला विश्वविद्यालय को तहस–नहस कर दिया। मुगल काल दक्षिण–पूर्वी सूबे का हिस्सा हुआ करता था। मुस्लिम शासकों ने हिन्दूओं को प्रसन्न करने हेतु पुराने भागलपुर नगर के पूर्वी सीमा से पूर्व में एक टाऊनशिप बसाया जिसकी लम्बाई 3 किलोमीटर और चौड़ाई एक किलोमीटर थी। इस टाऊनशिप का पूर्वी सीमा वर्त्तमान समय के खन्जरपुर मोहल्ला

था।[4] वर्त्तमान समय में खन्जरपुर मोहल्ला भागलपुर नगर के मध्य भाग में स्थित है। 1765 ई. में बिहार, उड़ीसा एवं बंगाल की दीवानी ईस्ट इण्डिया कम्पनी को दी गई थी, उस समय भागलपुर मुंगेर सरकार के बड़े क्षेत्र में आता था। अंग्रेजों के विरूद्ध प्रथम आदिवासी विद्रोह तिलका मांझी के द्वारा सन् 1771 ई. से सन् 1784 ई. तक चलाया। अंग्रेज अधिकारी ने 13 जुलाई 1785 ई. को तिलका मांझी को घोड़ा से बांध कर घसीटते हुये भागलपुर शहर के वर्तमान तिलकामांझी चौराहा पर लाकर बरगद के पेड़ पर फांसी पर चढ़ाया दिया था। सन् 1832 ई. में भागलपुर जिला का कुछ क्षेत्र को अलग कर मुंगेर जिला बनाया गया। सन् 1855–56 में भागलपुर जिला को पुन: बांटकर संथाल परगना जिला बनाया गया। सन् 1954 ई. में गंगा नदी के उतर में स्थित बिहपुर, नवगछिया एवं गोपालपुर पुलिस स्टेशन को छोड़कर सहरसा जिला का गठन किया गया। सन् 1991 ई. में भागलपुर जिला को पुनः विभाजित कर बांका जिला बनाया गया। किसी भी देश, राज्य एवं जिला का नगरीय जनसंख्या उस देश, राज्य एवं जिला के विकास का सूचक होता है। जिस क्षेत्र का नगरीय जनसंख्या की अधिकता उस क्षेत्र की सुविधाओं में समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। 1951 की जनगणना वर्ष में भारत में कुल आबादी का 17.34% आबादी नगर में निवास करता था और उसके पश्चात् विभिन्न जनगणना वर्ष में बढ़ते हुए 2011 ई. में 31.02% आबादी भारत वर्ष के नगरों में निवास करता है। जहॉ तक बिहार राज्य के नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत का सवाल है तो 1951 ई. के जनगणना वर्ष में राज्य की कुल आबादी का 6.32% आबादी नगर में निवास करता था और 2011 ई. में यह 11.30% है जबकि 1951 ई. में बिहार राज्य के भागलपुर जिला में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत 14.50% है जो भारत की नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत से कम और बिहार राज्य के नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत से अधिक है। भागलपुर जिला का 2011 ई. के जनगणना वर्ष में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत 19. 83% है जिसे Table No-1 में देखा जा सकता है।

Table No- 1: विभिन्न दशकों में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत

	1951	1961	1971	1981	1991	2001	2011
भारत	17.34	18.00	19.91	23.34	25.72	27.78	31.02
बिहार	6.32	7.48	7.97	9.84	10.40	10.47	11.30
भागलपुर जिला	14.50	17.04	16.55	18.00	17.98	18.67	19.83

स्त्रोत– जनगणना रिपोर्ट

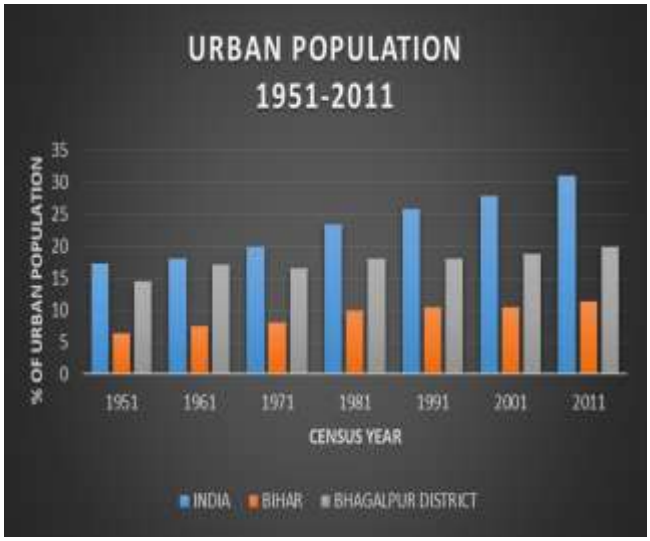

उपरोक्त Table No-1 एवं Bar Chart के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि 1961 ई. से 1971 ई. में एवं 1981 ई. से 1991 ई. में भागलपुर जिला के नगरीय जनसंख्या की प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गई है। इन दोनों जनगणना वर्ष में कुल नगरीय जनसंख्या में वृद्धि हुई है। जिसे Table No- 2 में देखा जा सकता है।

Table 2: विभिन्न दशकों में भागलपुर जिला की नगरीय जनसंख्या एवं कुल जनसंख्या

	1951	1961	1971	1981	1991	2001	2011
नगरीय आबादी	122045	174225	206943	284905	343449	452427	602532
कुल आबादी	841309	1022322	1250354	1582753	1909967	2423172	3037766

स्त्रोत: जनगणना रिपोर्ट

भागलपुर जिला के अन्तर्गत भागलपुर नगर अवस्थित है जहॉ की आबादी बिहार राज्य में अवस्थित विभिन्न नगरों की आबादी में 1951 ई. में तीसरा स्थान था। भागलपुर नगर की आबादी 1951 ई. में 1,14,530 था। नगर की आबादी लगातार बढ़ रही है। इसे Table No.3 में देखा जा सकता है।

Table 3: विभिन्न दशकों में भागलपुर नगरीय जनसंख्या एवं वृद्धि दर

	1951	1961	1971	1981	1991	2001	2011
भागलपुर नगर	114530	143850	172202	225762	253225	340767	400146
प्रतिशत वृद्धि	22.80	25.60	19.70	30.70	12.51	34.57	17.42

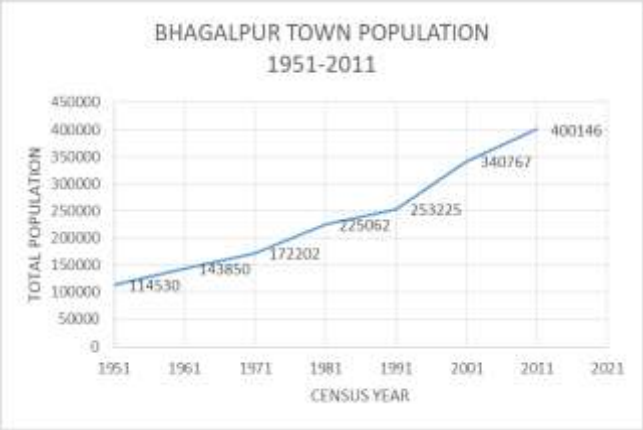

भागलपुर नगर की जनसंख्या 1951 ई. में 1,14,530 थी, जो विगत दस वर्ष पूर्व की जनसंख्या से 22.8% वृद्धि दर्ज की गई है। भारत वर्ष के आजादी के पूर्व ब्रिटिश काल में ही नाथनगर, लक्ष्मीगंज, भागलपुर प्रॉपर और जगदीशपुर क्षेत्र का नगर में शामिल हो गया जो चम्पानगर क्लेवलैण्ड रोड से जुड़ गया था। बिटिश काल में ही विभिन्न शिक्षण संस्थाएँ जैसे जिला स्कूल, टी. एन.बी. कॉलेज, सुन्दरवती महिला कॉलेज की स्थापना हो चुकी थी और वह नगरवासियों के शिक्षण जरूरत को पूर्ण करने में तत्पर रहा है। जिला रोजगार नियोजनालय कार्यालय शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवस्थित औधोगिक क्षेत्र, अस्पताल, शिक्षण संस्थान आदि सरकारी संस्थाओं में योगदान कर रहा था।

1951–61 ई. के बीच भागलपुर की जनसंख्या में 25.60% की वृद्धि के साथ आबादी 1,43,850 लोग निवास कर रहे थे। इस बीच पहली सरकारी बालिका विद्यालय स्थापित की गई। साथ–ही–साथ भागलपुर इंजीनियरींग कॉलेज एवं भागलपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इन दोनों संस्थानों की स्थापना के कारण शहर के आस–पास के क्षेत्रों के लोगों के लिए उच्च शिक्षा हेतु आगमन होने लगा। इस दौरान शहर के विभिन्न जन शून्य क्षेत्र में भी लोग निवास करने लगे एवं जीविका उपार्जन के लिए यहॉ विकसित सिल्क उद्योग एवं चावल उत्पादन में अपना योगदान देने लगे। इस दौरान इन दोनों क्षेत्रों में व्यापार खूब फला फूला।

सन् 1961–71 ई. के बीच शहर में जनसंख्या की वृद्धि 19.70% दर्ज की गई जो पिछले दशक की तुलना में 5.9% कम रही, परन्तु जनसंख्या में वृद्धि 28,552 व्यक्ति रही और नगर की जनसंख्या 1,72,202 दर्ज की गई। इस काल में भागलपुर मेडिकल कॉलेज, रेडियों स्टेशन, सिल्क एवं तसर रिसर्च इंस्टच्यूट, जैसे सरकारी संस्था के साथ ही साथ विभिन्न निजी संस्थानों का विकास हुआ। रॉची एवं धनबाद जैसे औद्योगिक नगर के विकास के कारण यह नगर जनसंख्या के दृष्टि से पॉचवे स्थान पर चला गया जबकि 1951 एवं 1961 के जनगणना के अनुसार यह नगर बिहार में तीसरे स्थान पर था।

सन् 1981 ई. में भागलपुर नगर की जनसंख्या 2,25,062 हो गई, जो पिछले दशक से 30.70% वृद्धि रही। इस काल में भागलपुर नगर निगम की स्थापना की गई। भागलपुर नगर निगम के अनुसार भागलपुर नगर के पूर्व में मीटर गेज लाइन, पश्चिम में चम्पानाला ब्रिज, दक्षिण में रेडियों स्टेशन तथा उत्तर में गंगा नदी का तट अवस्थित हुआ और नगर को 37 वार्डो में विभक्त किया गया। तिलका मांझी चौराहा के आस–पास के क्षेत्र में नये–नये कॉलनिया बनना प्रारम्भ हो गया। भिखनपुर, ईशाकचक, कबीरपुर मोहल्ले में बसाव क्षेत्र में वृद्धि होना प्रारम्भ हो गया ।

सन् 1991 ई. में भागलपुर नगर की आबादी पिछले दशक की तुलना में मात्र 28,163 व्यक्ति की वृद्धि हुई। इस दशक में जनसंख्या में 12.51% वृद्धि हुई, जो किसी भी दशक की तुलना में कम थी, इस कमी का कारण भागलपुर में 1989 ई. में हुए धार्मिक दंगे थे, जिसकारण दंगा बाद लोगों का पलायन हुआ। इस अवधि में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में झुग्गी झोपड़ी दिखने लगी जो प्रमुखत: नाथनगर के सिल्क उद्योग क्षेत्र के इर्द गिर्द थे। वास्तव में यह जनसंख्या सिल्क उद्योग में संलग्न श्रमिक वर्ग था। मुंगेर और हजारीबाग नगर की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ी और वह भागलपुर से अधिक जनसंख्या वाला नगर बन गया।

सन् 2001 ई. में इस नगर की जनसंख्या 3,40,767 हो गई जो पिछले दशक के जनसंख्या से 34.57% की वृद्धि हुई। इस दौरान तिलका मांझी, हुसैनाबाद, कवीरपुर, मौलानाचक, भिखनपुर और सुजागंज में बसाव क्षेत्र बढ़ा एवं आबादी घनी हो गई। 2001 ई. में विक्रमशीला पुल का कार्य पूरा हुआ। यह पुल गंगा नदी पर भागलपुर के पूर्वी भाग में स्थित है, जो बरारी घाट और नवगछिया को मिलाता है। इस पुल के बनने से भागलपुर नगर से पुर्णिया, कटिहार आदि नगर को पहुँचना आसान हो गया। पुल बनने के बाद भागलपुर के बरारी घाट क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ। सुजागंज–भीखनपुर मुख्य व्यवसायिक केन्द्र के रूप में विकसित हुआ। इसके साथ–साथ चम्पानगर एवं नाथनगर का औद्योगिक क्षेत्र भी प्रमुख व्यवसाय क्षेत्र बन गया। कृषि उत्पाद की थोक विक्रय केन्द्र के रूप में मुख्यतः मिरजान हाट उभरा। इसके अलावे नाथनगर बाजार, मुजाहीदपुर, अलीगंज, तिलकामांझी एवं मुख्य नगर क्षेत्र में भी कृषि उत्पाद की विक्रय केन्द्र के रूप में उभरना शुरू हो गया। भागलपुर मुनिसिपल कॉरपोरेशन के अनुसार अनुमानत: नगर में 5,000 दुकान एवं ऑफिस थे।[5]

सन् 2011 ई. में भागलपुर नगर की आबादी बढ़कर 4,00,146 हो गई। 2001 से 2011 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर 17.42% रहा। नगर में 51 वार्ड हैं। यह नगर 30.17 वर्ग किलोमीटर में बसा है। भागलपुर का प्रमुख बाजार भेराईटी चौक, खलीफाबाद चौक, डी. एन.सिंह रोड, गुरूद्वारा चौक, तिलकामांझी चौक बन गया है। भागलपुर शहर में कई मोहल्ले बसे हुए हैं जिनमें से कुछ मोहल्ले ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की हैं, जो आज भी जीवन्त हैं। जैसे कि ततारपुर मोहल्ला अकबर के शासन काल में अकबर के एक कर्मचारी ततार खान के नाम पर रखा गया था, कबीरपुर भी इसी समय के फकीर कबीर के नाम पर बसा एवं उनका मजार आज भी है। काजवली चक मोहल्ला शाहजहॉ के समय बसा था, उस समस के काजी कापवली का मजार आज भी यहॉ है। सूजागंज मोहल्ला औरंगजेब के समय बसा था इस मोहल्ले का नाम औरंगजेब के भाई शाह सूजा के नाम पर पड़ा है, यहॉ आज भी शाह सूजा की बड़ी बेटी का कब्र है। मोजाहिदपुर, सिकन्दरपुर, नरगा, मंदरोजा, मंसूरगंज, खंजरपुर, मुगलपुरा आदि मोहल्ले मुगलकालीन हैं जो आज भी जीवन्त हैं। ऐसे प्राचीन नगरों में इस प्रकार का आधार होना एक विशेषता मानी जाती हैं।

भागलपुर नगर शिक्षा केन्द्र के रूप विकास किया है साथ ही साथ में सुविधा सम्पन्न जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल है, इन दो प्रमुख कारणो से यहॉ की आबादी बढ़ी है। भागलपुर शहर में सन् 2011 ई. में कुल आबादी 4,00,146 में से 2,79,765 हिन्दू, 1,16,256 मुस्लिम, 1,175 ईसाइ, 859 जैन, 171 सिख, 53 बौद्ध, 11 अन्य तथा 1,856 लोग अज्ञात धर्मावलम्बि के हैं।

वैसे तो भागलपुर के सभी वार्डो में मलीन बस्तियॉ हैं कुल 165 मलीन बस्तियॉ हैं परन्तु 15 क्षेत्र मलीन बस्तियों के रूप में विकसीत होने लगे। नगर के विभिन्न क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व के आधार पर बने मानचित्र से स्पष्ट होता है कि भागलपुर नगर का तीन क्षेत्र वार्ड सं.–36 वार्ड सं.–2 एवं वार्ड सं.–5 अति घना बसा है। भागलपुर नगर के मध्य भाग में रेलवे लाईन के दोनों तरफ एवं पश्चिम भाग में मध्य से घनी आबादी रहती है। पूर्वी भाग, उत्तर–पश्चिम भाग एवं दक्षिणी भाग कम घनत्व वाला क्षेत्र है। नीचे के तालिका से स्पष्ट है।

Table 4: जनसंख्या घनत्व (वार्डानुसार 2011ई.)

क्रम सं.	वार्ड सं.	घनत्व प्रति हेक्टेयर
1	2, 5 एवं 36	300 व्यक्ति से अधिक
2	1,3,7,15,16,21,34,35,40 एवं 47	200 से 300 के बीच
3	4,6,8,12,13,14,17,18,19,20,24,25,28,32,37,38,41, 43,44,45,46,49 एवं 50	100 से 200 के बीच
4	9,10,11,22,23,26,27,29,30,31,33,39,42,48 तथा 51	100 व्यक्ति से कम

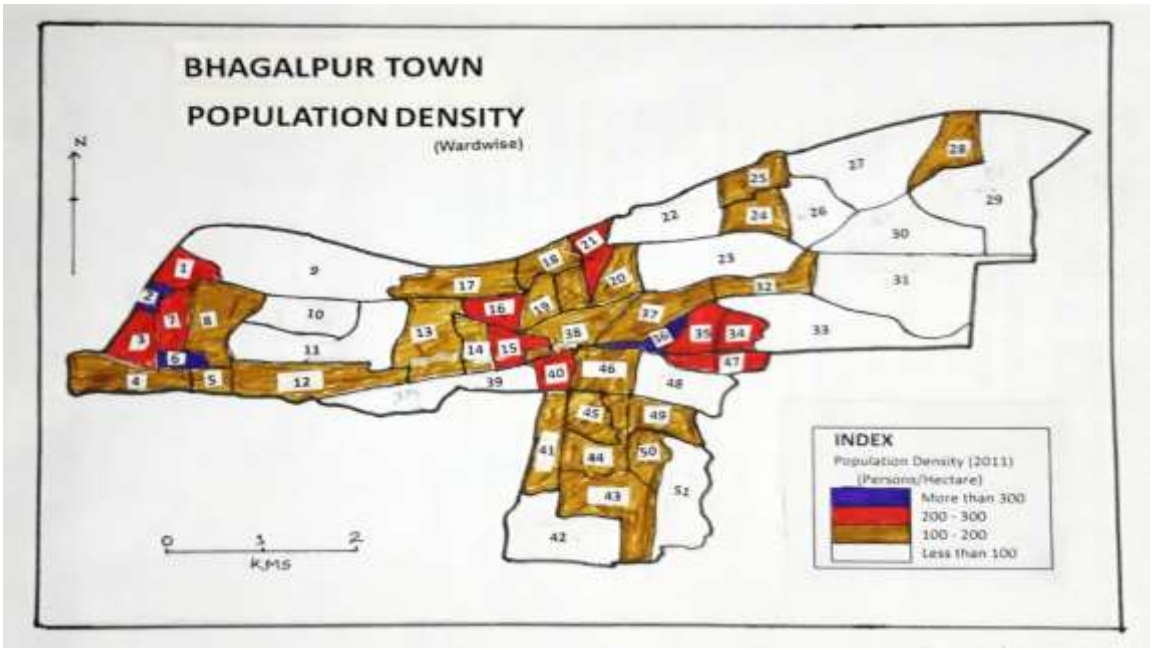

भारत सरकार के 100 स्मार्ट सिटी मिशन नाम से एक महत्त्वकांक्षी योजना के अन्तर्गत 24 मई 2016 को भागलपुर नगर का भी चुनाव हुआ है। स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा भागलपुर को 382 करोड़ की रकम मुहैया कराई है। इन स्मार्ट सिटी को सुसज्जित, व्यवस्थित, सुरक्षित, बुनियादि एवं आधुनिक सुविधा से सुसज्जित किया जाना है। भागलपुर स्मार्ट सिटी पॉच गोल निश्चय किया गया है– सुशासित भागलपुर, समृद्ध भागलपुर, गतिमान भागलपुर, सुदृढ़ भागलपुर एवं सर्वभौमिक विकास। स्मार्ट सिटी हेतु शहर का सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। भागलपुर शहर के लिये बिहार सरकार द्वारा 1300 करोड़ आवंटित किया गया है। शहर में 26000 कैमरा लगाया जायेगा। कचरा प्रोसेसिंग प्लांट नाथनगर और अलिगंज में लगाया जा रहा है। सैण्डिस कम्पाउण्ड, लाजपत पार्क और जयप्रकाश उद्यान का सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है। गंगा तट के क्षेत्र को विकसित किया जा रहा है। भागलपुर के मुख्य उत्पादन सिल्क, कतरणी चावल एवं जरदालू आम के लिये प्रमोसनल हाट बनाने की योजना है। भागलपुर के मुख्य सड़क का चौड़ीकरण, सौन्दरीकरण, डिजिटल बोर्ड लगाया जा रहा है, सड़क के किनारे बिजली के खम्भे हटाये जा रहे हैं। सड़क के किनारे फूटपाथ एवं कूड़ादान बनाये जा रहे हैं। एटोमेटिक ट्रैफिक लाईट लगाये जा रहे हैं। अनुमान है कि 2022 तक स्मार्ट सिटी के रूप में भागलपुर दिखने लगेगा।

संदर्भ सूची

1. सेन्सस ऑफ इण्डिया, 1951, बिहार डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैण्डबुक, पटना, वॉल्यूम–iv, सुपरिंटेंडेन्ट ऑफ सेन्सस ऑपरेशन, बिहार, पी.–xi
2. डिस्ट्रिक्ट गजेटियर ऑफ भागलपुर, 1962
3. इम्पेरियल गजेटियर ऑफ इण्डिया 1908, वॉल्यूम– viii
4. डिस्ट्रिक्ट गजेटियर ऑफ भागलपुर, 1962
5. सिटी डेवलपमेन्ट प्लान फॉर भागलपुर, एसक्यूटिव सम्मरी
6. सिटी डेवलपमेन्ट प्लान (2010–2030) भागलपुर, एसक्यूटिव सम्मरी– शहरी विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार।
7. सिन्हा, एम.एम.पी. (1980), द इम्पैक्ट ऑफ अरबनाईजेसन ऑन लैण्डयूज इन द रूरल–अरबन फरिंज, कन्सेप्ट पब्लिसिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
8. आई.के.नारायण, रिपोर्ट ऑन द इन्फ्रास्ट्रक्चर अवेलेबल एण्ड ईट्स पोटेनटिअलिटीज फॉर द इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट ऑफ भागलपुर, अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर विभाग, भागलपुर विश्वविद्यालय, 1980
9. फाईल डेवलपमेन्ट एण्ड इम्प्लायमेन्ट डेवलपमेन्ट रिपोर्ट, भागलपुर, पार्ट–बी., पटना।
10. संबंधित वर्ष का जनगणना रिपोर्ट।